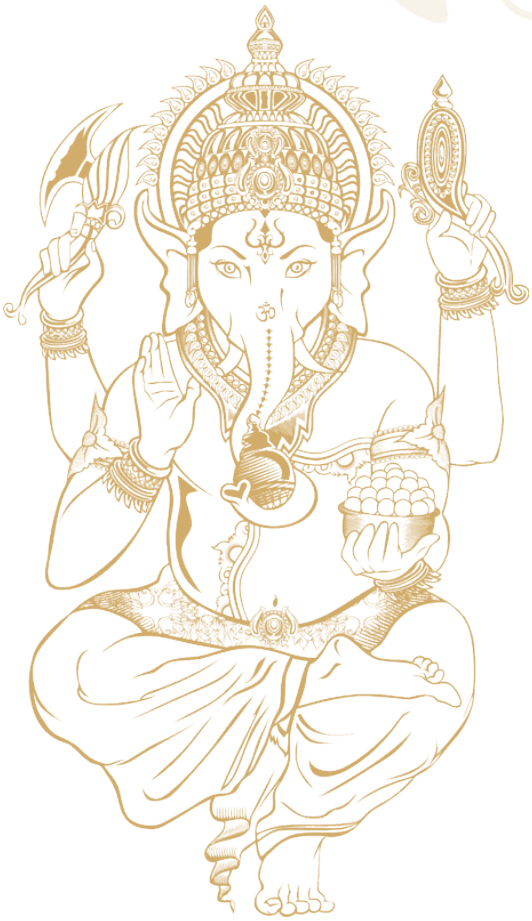

Umesh Puri

Dr.Kanchan Puri

Model: Love-Horoscope

Order No: 120792901

Model: Love-Horoscope

Order No: 120792901 Date: 01/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15-16/12/1956	जन्म तिथि	27-28/10/1961
शनि-रविवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 01:38:00	जन्म समय	04:00:00 घंटे
घटी 46:38:07	जन्म समय(घटी)	53:39:53 घटी
India	देश	India
Pune	स्थान	Pune
18:34:00 उत्तर	अक्षांश	18:34:00 उत्तर
73:58:00 पूर्व	रेखांश	73:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:08	स्थानिक संस्कार	-00:34:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:58:45	सूर्योदय	06:32:02
17:59:50	सूर्यास्त	18:04:00
23:15:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:19:14
कन्या	लग्न	कन्या
बुध	लग्न लग्नाधिपति	बुध
वृष	राशि	मिथुन
शुक्र	राशि-स्वामी	बुध
कृतिका	नक्षत्र	मृगशिरा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	मंगल
3	चरण	3
सिद्ध	योग	परिघ
तैतिल	करण	कौलव
उ-उदय	जन्म नामाक्षर	का-कमला
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	शूद्र
चतुष्पाद	वश्य	मानव
मेष	योनि	सर्प
राक्षस	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
गरूड़	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 2वर्ष 6मा 4दि		16:38:27	कन्या	लग्न	कन्या	04:18:15	मंगल 2वर्ष 4मा 18दि	
शनि		00:35:50	धनु	सूर्य	तुला	10:56:45	बुध	
21/06/2010		04:24:58	वृष	चंद्र	मिथु	02:07:37	16/03/2017	
21/06/2029		11:32:08	मीन	मंगल	तुला	24:38:59	17/03/2034	
शनि	24/06/2013	17:58:55	धनु	बुध व	तुला	00:22:39	बुध	13/08/2019
बुध	03/03/2016	07:00:28	कन्या	गुरु	मक	05:51:24	केतु	09/08/2020
केतु	12/04/2017	01:49:21	वृश्चि	शुक्र	कन्या	18:50:59	शुक्र	10/06/2023
शुक्र	11/06/2020	14:14:00	वृश्चि	शनि	मक	00:39:39	सूर्य	16/04/2024
सूर्य	24/05/2021	05:40:32	वृश्चि	राहु व	सिंह	01:02:16	चन्द्र	15/09/2025
चन्द्र	24/12/2022	05:40:32	वृष	केतु व	कुंभ	01:02:16	मंगल	12/09/2026
मंगल	02/02/2024	13:14:07	कर्क व	हर्ष	सिंह	06:31:26	राहु	01/04/2029
राहु	09/12/2026	08:40:48	तुला	नेप	तुला	17:28:28	गुरु	08/07/2031
गुरु	21/06/2029	07:08:57	सिंह व	प्लूटो	सिंह	16:16:37	शनि	17/03/2034

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:15:35 चित्रपक्षीय अयनांश 23:19:14

लग्न-चलित

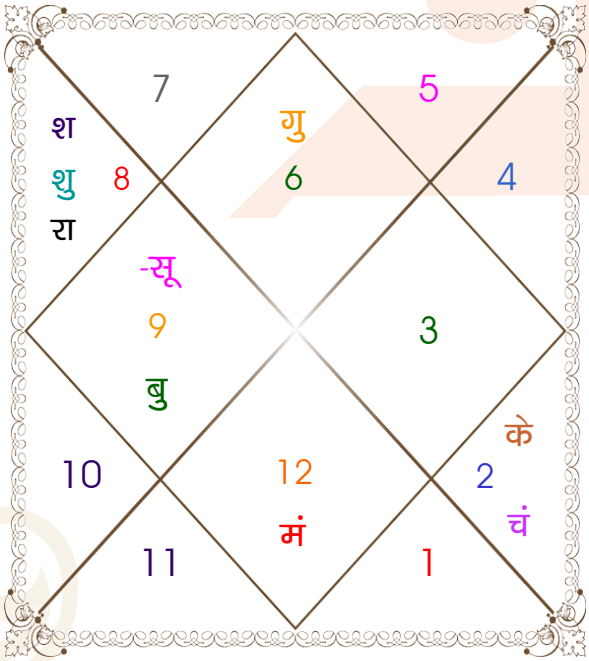

लग्न-चलित

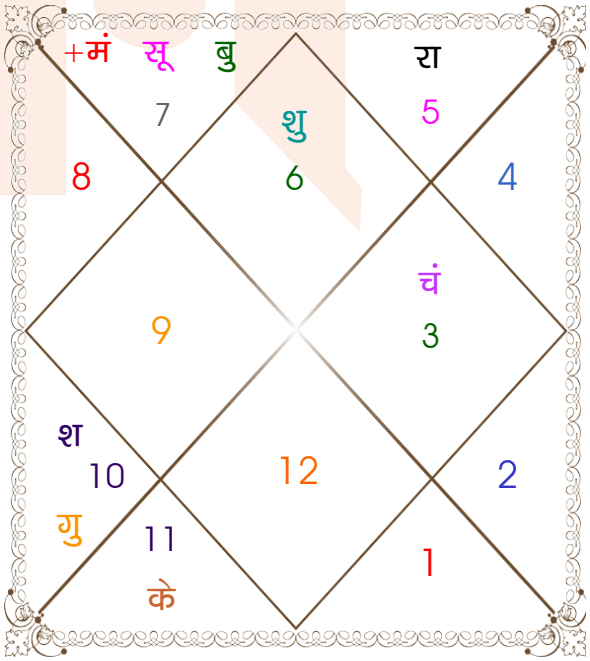

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

कुल : **19.5 / 36**

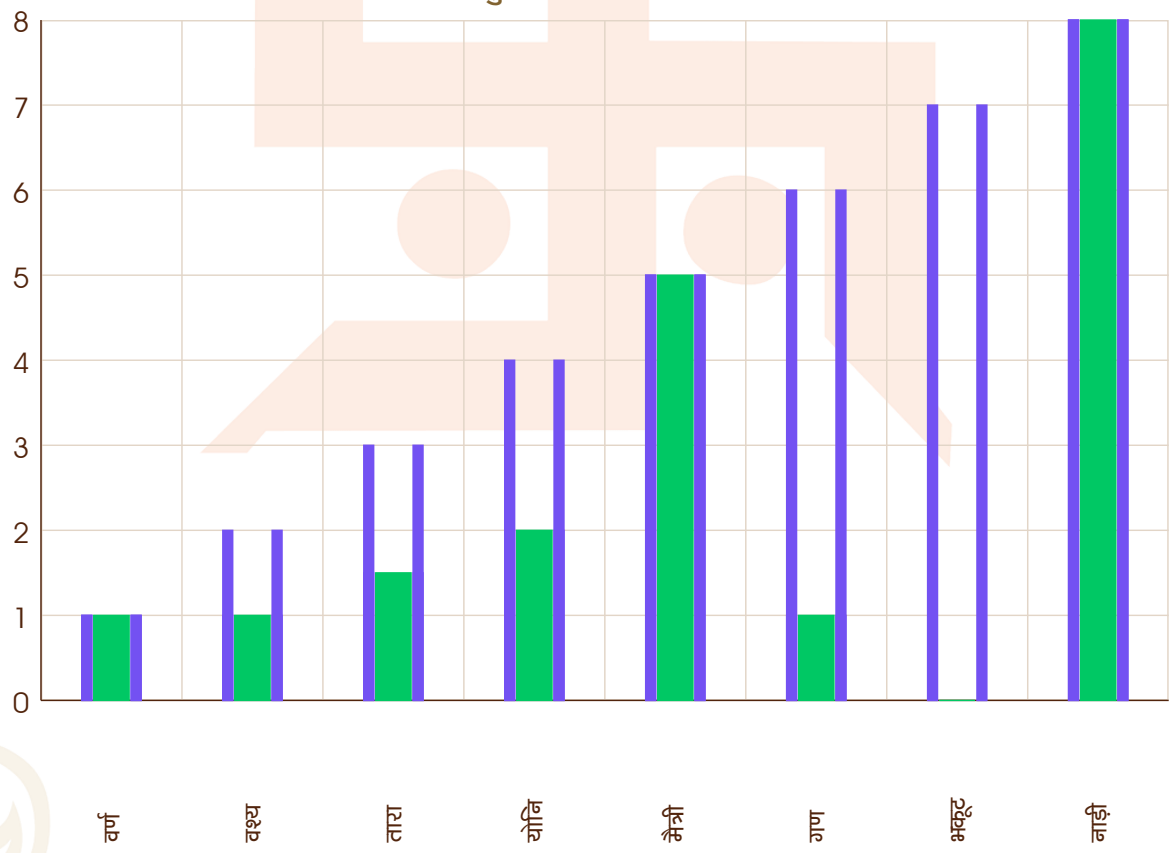

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

न्उमी च्नतप का वर्ग गरूड़ है तथा क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार न्उमी च्नतप और क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

न्उमी च्नतप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि न्उमी च्नतप कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

न्उमी च्नतप तथा क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

न्उमेी च्नतप का वर्ण वैश्य है तथा क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का वर्ण शूद्र है। इसमें क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का वर्ण न्उमेी च्नतप के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

वश्य

न्उमेी च्नतप का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार न्उमेी च्नतप एवं क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

न्उमेी च्नतप की तारा मित्र तथा क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप की तारा विपत है। क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान न्उमेी च्नतप एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

न्उमेी च्नतप की योनि मेष है तथा क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप की योनि सर्प है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध

संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में न्उमी च्नतप एवं क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि न्उमी च्नतप एवं क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण न्उमी च्नतप एवं क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

न्उमी च्नतप का गण राक्षस तथा क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का गण देव है। अर्थात क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का गण न्उमी च्नतप के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण न्उमी च्नतप निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही न्उमी च्नतप का क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

न्उमी च्नतप से क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप से न्उमी च्नतप की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण न्उमी च्नतप गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप समझौतावादी, सौम्य एवं

दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर न्उमी च्नतप शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

न्उमी च्नतप की नाड़ी अन्त्य है तथा क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

न्उमेी च्नतप की जन्म राशि भूमितत्व से युक्त वृष तथा क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप की जन्म राशि वायुतत्व युक्त मिथुन है। पृथ्वी एवं वायु तत्व में नैसर्गिक असमानता होती है। अतः न्उमेी च्नतप एवं क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप में शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक असमानताएं विद्यमान रहेगी तथा इसमें परस्पर यत्न से ही किंचित मधुरता आ सकती है।

न्उमेी च्नतप की राशि का स्वामी शुक्र एवं क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप की राशि का स्वामी बुध परस्पर मित्र हैं। अतः दाम्पत्य जीवन की सुख एवं समृद्धि की दृष्टि से यह स्थिति शुभ रहेगी। न्उमेी च्नतप और क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का एक दूसरे के प्रति विश्वास तथा समर्पण की भावना होगी तथा दोनों एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे। इस प्रकार न्उमेी च्नतप और क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का जीवन सुख शांति से व्यतीत होगा।

न्उमेी च्नतप और क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप की परस्पर राशियां द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। अतः यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से किंचित विभिन्नताएं होंगी। क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप वायुतत्व एवं द्विस्वभावराशि की होने के कारण उनमें परिवर्तन शीलता का भाव रहेगा तथा अपने विचार इच्छाएं एवं आकांक्षाओं को समय समय पर परिवर्तन करेगी जिससे न्उमेी च्नतप किंचित असुविधा तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे।

न्उमेी च्नतप का वश्य चतुष्पद एवं क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का वश्य मानव है तथा इन दोनों की आपस में नैसर्गिक असमानता है। अतः न्उमेी च्नतप और क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप की अभिरूचियां में असमानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता होगी। अतः दाम्पत्य जीवन के सुख में एक दूसरे को प्रसन्न एवं संतुष्ट अल्प मात्रा में ही कर सकेंगे अतः परस्पर सामंजस्य स्वीकार करके दाम्पत्य स्थापित सुखी बनाने में यत्नशील रहना चाहिए।

न्उमेी च्नतप का वर्ण वैश्य है अतः इनके सभी कार्य व्यापारिक बुद्धि से सम्पनन होंगे तथा धनार्जन के प्रति सर्वदा तत्पर रहेंगे। क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का शूद्र वर्ण होने के कारण वह एक कर्तव्य परायण महिला होंगी तथा किसी भी कार्य को ईमानदारी से पूर्ण करने में तत्पर रहेंगी जिससे दोनों के कार्य क्षेत्र में स्थिति सुदृढ़ रहेगी।

धन

न्उमेी च्नतप और क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप की तारा परस्पर सम है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति पर तारा का प्रभाव विशेष शुभ या अशुभ नहीं रहेगा। लेकिन इनकी राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है तथा आर्थिक स्थिति पर इसका विशेष दुष्प्रभाव पड़ता है। परन्तु मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः सामान्यतया न्उमेी च्नतप और क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप की प्रवृति अधिक एवं अनावश्यक व्ययशील रहेगी तथा भौतिक साधनों पर अनावश्यक व्यय करेंगी। साथ ही न्उमी च्नतप भी जुए या अन्य व्यसनों से अधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः आर्थिक स्थिति की सुदृढ़ता के लिए न्उमी च्नतप और क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप को अपनी ऐसी प्रवृतियों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

न्उमी च्नतप की नाड़ी अन्त्य तथा क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप की नाड़ी मध्य है। अतः नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे तथा इसका इनके स्वास्थ्य पर कोई प्रभाव नहीं होगा परन्तु मंगल का क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप के स्वास्थ्य पर विशेष अशुभ प्रभाव रहेगा। इससे वे रक्त या पित संबधी परेशानियां प्राप्त करेंगी तथा गुप्त या धातु संबधी रोगों का भी उन्हें सामना करना पड़ सकता है। साथ ही मासिक धर्म संबंधी अनियमिता से भी कष्ट की अनुभूति करेंगी। अतः इन प्रभावों में न्यूनता लाने के लिए क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति के दृष्टि से न्उमी च्नतप एवं क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनका उचित पालन पोषण करने में समर्थ होंगे। इसके अतिरिक्त इनकी पुत्र एवं कन्या संतति संख्या भी समान होगी।

यद्यपि क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का प्रसव सामान्य विधि से सम्पन्न होगा परन्तु इसके प्रति क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप के मन में कई प्रकार से भय एवं चिन्ता की भावना रहेगी जिससे वे अनावश्यक मानसिक तनाव की अनुभूति करेंगी। अतः क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप को चाहिए कि ऐसे अनावश्यक भय एवं चिन्ता से मुक्त रहें तथा नियमित रूप से अपना गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण आदि करवाती रहें। इससे क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप सामान्य रूप से सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा ऐसे समय में स्वयं भी स्वस्थ तथा शांति की अनुभूति करेंगी। न्उमी च्नतप और क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप बच्चों से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा वे भी अपने क्षेत्र में स्व योग्यता बुद्धिमता तथा व्यवहार कुशलता से प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे तथा अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगे माता पिता के प्रति उनके मन में समान भाव से आदर तथा आज्ञाकारिता रहेगी तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार न्उमी च्नतप और क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत

क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार क्तण्ज्ञंदबींद च्नतप के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

न्उमी च्नतप के अपनी सास से संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण इनमें विचार वैभिन्यता रहेगी लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा संबधों में वृद्धि के भी अवसर बनेंगे।

साथ ही ससुर से भी परस्पर संबधों में विवाद तथा तनाव युक्त वातावरण रहेगा जिससे न ही न्उमी च्नतप उनको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे तथा वे भी इन्हें विशेष अपनत्व तथा स्नेह का भाव अल्प ही प्रदान करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों से संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति का भाव रहेगा। इनके संबधों में मित्रता का भाव भी रहेगा जिससे परस्पर मुक्त भाव से वार्तालाप होता रहेगा। इस प्रकार ससुराल वालों का दृष्टिकोण न्उमी च्नतप के प्रति अनुकूल रहेगा तथा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में नित्य प्रयत्नशील रहेंगे।

लग्न फल

Umesh Puri

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्न में हुआ था। जन्मकाल-मेदिनीय क्षितिज वृषभ राशि का नवमांश तथा मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस जन्म के समायोजन की वास्तविकता तो यह दृष्टिगत हो रहा है कि आप अपना दीर्घायु योग से प्रभावित सुखमय जीवन-व्यतीत करेंगे।

आपका जीवन सतत उत्तेजनात्मक प्रवृति से युक्त रहेगा। यदि आप सुव्यवस्थित ढ़ंग से कठिन श्रम के प्रति समर्पित भावना से युक्त होकर तथा दुःसाहसिक प्रवृति को त्याग कर ठोस निर्णयानुसार कार्य सम्पादन करें तो आप सन्तोषजनक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप प्रायः अपने निर्णय के प्रतिकूल आकस्मिक रूप से नयी नीति के प्रति अन्वेषनात्मक परिवर्त्तनीय आचरण अपना लेते हैं। अस्तु आपको इस प्रकार की स्पन्दित प्रवृति को त्यागना पड़ेगा।

आप उच्चकोटि के महत्वकांक्षी है तथा आप अत्यधिक धन संचय करना चाहते हैं। आपको अपने कार्य सम्पादन की नीति को अपनी आवश्यकता के अनुरूप फैलाना एक वास्तविक प्रक्रिया हो सकती है। आप निश्चयपूर्वक एक साहसी एवं उद्यमी हैं। आप अपनी योजना को पूर्ण रूपेण सफलीभूत करेंगे। अर्थात् आपको आरामदायक जीवन व्यतीत करने के लिए अच्छे लाभांश की प्राप्ति होगी।

आप स्वाभाविक रूप से एक वणिक प्रवृति के प्राणी हैं। आप व्यवसायिक वातावरण में अपना धन निवेश हेतु प्रवृत होंगे। परन्तु आप सतर्कता पूर्वक निवेश के लिए धन का लाभांश क्षीण या आंशिक रूप में प्राप्त न हो। यह विचार कर अपना कदम बढ़ाएंगे। इसलिए आपको लेखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य जैसा पदभार ग्रहण करने के लिए प्रस्तुत होना चहिए। आप सर्वथा सम्पादन कारिता, अध्यापन कार्य, परीक्षक कार्य आदि से सम्बन्धित कार्य आपके लिए स्वाभाविक है।

आप लोगों के कार्यकलाप क्या ठीक करते है अथवा क्या गलत करते है की आलोचना करेंगे। आप पूर्ण शिक्षित एवं कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप उनकी त्रुटिपूर्ण आचरण के प्रति तर्कता पूर्वक स्थित रह कर उनकी दुर्बलता का ध्यान रखेंगे।

आप नकारात्मक विशेषताओं की शुद्धिकरण करेंगे। परिणाम-स्वरूप आपके कुछ मित्रों में से अधिकांश व्यक्ति आपके शत्रु बन जाएंगे तथा आपके व्यवहार से असन्तुष्ट होकर, आपको जन सामान्य की दृष्टि में बेनकाब कर न्यायालय तक ले जा सकते है। अतः आप अन्य लोगों की अति आलोचना नहीं करे। अर्थात् दूसरों के लिए दुष्कर वातावरण का निर्माण नहीं करे। आप सर्वथा अपने मित्रों एवं अधिनस्थ कर्मचारियों का उपयुक्त चयन किया करें ताकि वे आपके लिए हितकर हों।

आप धार्मिक-ग्रन्थों का अध्ययन कर जीवन का यथेष्ठ अनुभव प्राप्त करेंगे। परन्तु

आप अपनी शिक्षा का अभ्यास असंभावित रूप से नहीं कर सकेंगे। आप अनेकों वासनात्मक मित्रों के साथ संगठित होकर आनन्द प्राप्त करना चाहेंगे। आप इस प्रकार के अध्यवसाय से प्रतिकूल आचरण करें अन्यथा आपका मधुर पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हों सकता है। आपका अच्छे व्यवहार तथा स्नेह प्रदान करने वाली पत्नी एवं अच्छी सन्तान होंगी जो अच्छी प्रकार से आपका जीवन व्यतीत करेंगी।

आपके जीवन का महत्वपूर्ण अंश आपका हृष्ट पुष्ट शरीर एवं प्रसन्नतम जीवन होगा। आपको अपने स्वास्थ्य सम्बन्धीं यथा पाचन क्रिया एवं नसों की दिक्कतों से संबंधित रोगों के प्रति भली प्रकार सावधानी बरतनी चाहिए। क्योंकि ये अति संवेदनशील बाते हैं। अन्यथा आप दस्त सम्बंधी रोग, टायफाईड अथवा स्नायविक घबराहट जैसे रोग के कारण आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। अस्तु आपकों चिकित्सक की राय ग्रहण करना चाहिए तथा दूषित खाद्य पदार्थो को त्यागकर शाकाहार को प्राथमिकता देनी चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंकों में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं अंक 1 एवं 8 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में उत्कृष्ट एवं अनुकूल रंग सफेद, पीला, हरा एवं सूआपंखी रंग है। इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला, एवं नीला रंग आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।

Dr.Kanchan Puri

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति में धन संग्रह किया जाये, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझती हैं। वास्तव में भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकती हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगीं। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगी। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत योनि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगी। आपको अपनी दुबले पतली शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगी। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव

विपरीत योनि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेंगे।

आप वणिक प्रवृति की प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगी। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगी। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगी। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगी।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि की प्राणी है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगी। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगी। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगी संभाल सकेंगी जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगी कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपने प्रेमी के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पति का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपके एक अच्छे पति एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगी। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपनी अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक

1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।

Umesh Puri

आपका जन्म दिनांक 16 है। एक एवं छः के योग से आपका मूलांक 7 होता है । मूलांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु एवं पाश्चात्य मत से नेपच्यून होता है। अंक एक का सूर्य तथा 6 का शक्रु है । इन तीनों ग्रह सूर्य, शुक्र, केतु या नेपच्यून का प्रभाव आपके जीवन में निरन्तर चलता रहेगा। मूलांक 7 के प्रभाव से आपकी अभिरुचि ललित कलाओं में रहेगी। आपको गीत-संगीत, लेखन, काव्य, चलचित्र, दूरदर्शन इत्यादि में लगाव होगा। कल्पनाशक्ति आपकी काफी अच्छी रहेगी। धन संग्रह में आपको कठिनाईयां आयेंगी इससे अर्थ के क्षेत्र में आप कमी महसूस करेंगे। घूमने-फिरने के शौकीन होने के कारण आप लम्बी यात्रायें करेंगे जिनसे आपके ज्ञान की वृद्धि होगी। अतीन्द्रिय ज्ञान आपके अन्दर काफी अच्छा रहेगा, जिससे दूसरों के विचार या बात को आप आसानी से समझ जायेंगे।

अंक एक एवं छः के स्वामी सूर्य, शुक्र ग्रह के प्रभाव से आप महत्वाकांक्षी, दृढ़प्रतिज्ञ, अडिग एवं सौन्दर्यबोध को समझने वाले होंगे। आप अपने जीवन में काफी संघर्ष करेंगे, लेकिन अन्त में संघर्षों पर विजय प्राप्त करेंगे एवं सफलता अर्जित करेंगे। आपको स्वच्छता अधिक पसन्द आयेगी एवं सभी वस्तुऐं करीने से सजी हों तथा घर ऑफिस में सुन्दर बैठक हो ऐसी आपकी मनोवृत्ति रहेगी।

दूरस्थ देशों से आपको लाभ प्राप्त होगा। आप रोजगार-व्यापार में ऐसी लाईन का चुनाव करेंगे, जिसमें दूरस्थ देशों से निरन्तर सम्पर्क बना रहे तथा उनसे लाभ मिले। नेपच्यून, शुक्र एवं सूर्य के संयुक्त प्रभाववश आपको प्रारम्भ में संघर्ष करना पड़ेगा। पश्चात् मध्य अवस्था से अन्तिम अवस्था तक उन्नति की सीढ़ियां चढ़ते चले जायेंगे।

Dr.Kanchan Puri

आपका जन्म दिनांक 28 है। दो एवं आठ के योग से एक आपका मूलांक होता है। मूलांक एक का स्वामी सूर्य ग्रह है। अंक दो का चन्द्र तथा आठ का शनि है। इन तीनों ही ग्रहों का संयुक्त प्रभाव आपके जीवन में आयेगा।

मूलांक एक का स्वामी सूर्य जीवनदाता है एवं ब्रह्माण्ड में स्थिर ग्रह है। अन्य सभी ग्रह तो सूर्य के चक्कर लगाते हैं। अतः सूर्य ग्रह के प्रभाववश आप एक स्थिर प्रकृति की महत्वाकांक्षी, उदीयमान, प्रतिभाशाली महिला के रूप में पहचानी जायेंगी। आप स्वतंत्र विचार धारा की धनी होंगी। पराधीन कार्य करने में असुविधा महसूस होगी। आप प्रत्येक कार्य को स्वतंत्रता पूर्वक निष्पक्ष संपादन करने की हिमायती रहेंगी। इससे आपको प्रतिद्वन्दियों के विरोध का सामना करना पड़ेगा। आप स्थायी एवं दीर्घ कालीन संबंध बनाने पर विश्वास करेंगी। आपकी कोशिश हमेशा यही रहेगी कि जब भी आप किसी के साथ मित्रता, व्यापारिक, सामाजिक, राजनैतिक अथवा प्रेम, रोमांस, इत्यादि के जो भी संबंध बनाऐं उनमें स्थायित्व रहे।

सूर्य जिस तरह प्रकाशित ग्रह है। उसी भाँति आप भी अपने जीवन में सदा प्रकाशित रहना पसन्द करेंगी। समाज वर्ग विशेष में मुखिया की भूमिका आप बखूबी निभाने की क्षमता रखेंगी। अपनी मेहनत के बल पर आप सभा-सोसायटी, संगठनों इत्यादि में प्रमुख पद को प्राप्त करेंगी।

अंक दो के स्वामी चन्द्र के कारण आपमें कल्पनाशीलता अच्छी रहेगी। आप जो भी सृजन करेंगी उसमें मौलिकता रहेगी। अंक आठ का स्वामी शनि ग्रह के प्रभाव से कभी-कभी आपके अन्दर नैराश्य भाव जाग्रत होगा। आलस्य में वृद्धि होगी और बनते हुये कार्यों में रुकावटें आयेंगी।

Umesh Puri

भाग्यांक चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु एवं पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह को माना गया है। हर्षलग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय अचानक होगा। आपके जीवन में कई कार्य ऐसे होंगे जिनमें अथक परिश्रम के बाद चाही गई अवधि में सफलता न मिले और कार्य रुक जायें। लेकिन एक दिन अचानक ही ऐसे कार्य बन भी जाया करेंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के हिमायती होंगे एवं पुरानी मान्यताओं में परिवर्तन करते रहना आपकी आदत में शुमार होगा। आप रूढ़ि वादिता से थोड़े दूर तथा आधुनिक होंगे।

ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आपका रूझान रहेगा एवं ऐसे कार्यों को संपादन करने में आनन्द आयेगा जिन्हें अन्य जन दुष्कर समझेंगे। आपके कार्यों में विस्फोटकता रहेगी तथा आप अचानक चर्चित होंगे। लेकिन यह स्थायित्व नहीं ले सकेगा। बार-बार का परिवर्तन आपकी उन्नति में बाधक रहेगा। अचानक सफलता या असफलता से आपको सबक लेना होगा कि भाग्य आपका परिवर्तनशील है। अतः आपको अधिक विस्फोटक, जोखिम युक्त कार्यों से दूर रहना या सोच-समझकर कार्य करना भाग्य वृद्धि कारक रहेगा।

Dr.Kanchan Puri

भाग्यांक एक का अधिष्ठाता सूर्य ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आप अपने कार्यक्षेत्र में एक चतुर, बलवान, बुद्धिमान, राजसी ठाटबाट को पसन्द करने वाली स्पष्ट वक्ता होंगी। आप स्वभाव से गम्भीर, उदार हृदय, परोपकारी, सत्य के मार्ग पर चलने वाली यशस्वी तथा विरोधियों को परास्त करने में विश्वास रखने वाली शूरवीर महिला के रूप में पहचान स्थापित करेंगी। आपका जीवन चक्र एक मुखिया की भाँति संचालित होगा अर्थात आप हुकूमत पसन्द, स्वतंत्र तथा स्थिर विचारधारा पर निर्भीक चलेंगी। अहं या स्वाभिमान आपमें कूट-कूट कर भरा होगा।

आपकी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति, आपकी मेहनत से होगी। अधिकारों में वृद्धि होगी। सूर्य अग्नि तत्व का द्योतक होने से आपका तेज समाज के विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त होगा। जीवनी शक्ति आप में अच्छी रहेगी एवं दूसरों को प्रोत्साहित करने में कुशल रहेंगी। आपका भाग्य उच्च श्रेणी का होने से आप एक दिन अपने श्रम, लगन, स्थिर प्रकृतिवश सर्वोच्चता को प्राप्त करेंगी। सूर्य प्रकाशित ग्रह होने से आपको हमेशा प्रकाश में रहना सुखकर लगेगा

और ऐसे ही कार्यक्षेत्र को पसन्द करेंगी, जिसमें नाम तथा यश दोनों ही मिलें।